: विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता — मेसोपोटामिया सभ्यता

विश्व की सबसे प्राचीन सभ्यता का जन्म मेसोपोटामिया (Mesopotamia) क्षेत्र में हुआ।
यह सभ्यता लगभग 3500 ईसा पूर्व में विकसित हुई थी।
भौगोलिक रूप से यह क्षेत्र टिगरिस (Tigris) और यूफ्रेटीस (Euphrates) नदियों के बीच स्थित है —
वर्तमान में यह क्षेत्र इराक, सीरिया और कुवैत का हिस्सा है।

“मेसोपोटामिया” शब्द ग्रीक भाषा का है, जिसका अर्थ है —
👉 “दो नदियों के बीच की भूमि” (The land between two rivers)।

🏺 मेसोपोटामिया सभ्यता का परिचय

यह सभ्यता विश्व इतिहास की पहली नगरीकृत (urbanized) सभ्यता मानी जाती है।
यहाँ के प्रमुख नगर थे —
ऊर (Ur), ऊरूक (Uruk), लगश (Lagash), निप्पुर (Nippur), और बेबीलोन (Babylon)।

इन नगरों में शासन, प्रशासन, धर्म, व्यापार, लेखन और वास्तुकला की जटिल व्यवस्थाएँ थीं, जो सभ्यता के विकसित रूप की ओर संकेत करती हैं।

🧭 मेसोपोटामिया में सभ्यता के उत्पत्ति के कारण

1. अनुकूल भौगोलिक स्थिति

मेसोपोटामिया क्षेत्र दो विशाल नदियों — टिगरिस और यूफ्रेटीस — से घिरा हुआ था।
इन नदियों की नियमित बाढ़ से भूमि में उपजाऊ गाद (fertile silt) जमा होती थी, जिससे यहाँ खेती अत्यंत सफल हुई।
इस कारण लोग स्थायी रूप से बसने लगे और कृषि आधारित गाँवों का निर्माण हुआ।

---

2. कृषि और सिंचाई का विकास

लोगों ने नदियों के पानी को नियंत्रित करने के लिए बांध, नहरें और सिंचाई प्रणाली विकसित की।
इससे अनाज, जौ, गेहूं आदि की अच्छी पैदावार होने लगी।
अन्न की अधिकता ने जनसंख्या बढ़ाई और श्रम के विभाजन की नींव रखी — कुछ लोग खेती करते, कुछ निर्माण, कुछ व्यापार, कुछ धर्म या प्रशासन से जुड़ते।

---

3. व्यापार और परिवहन के अवसर

मेसोपोटामिया का स्थान एशिया, अफ्रीका और यूरोप को जोड़ने वाले मार्गों के बीच था।
इससे यहाँ स्थानीय और अंतरक्षेत्रीय व्यापार विकसित हुआ।
लोगों ने नावों और पहिएदार रथों का प्रयोग किया।
व्यापार के लिए वजन और माप की प्रणाली भी विकसित की गई।

---

4. राजनीतिक संगठन और नगरों का विकास

कृषि व व्यापार के विस्तार से संगठित शासन की आवश्यकता महसूस हुई।
इससे नगर-राज्यों (City-states) का उदय हुआ, जैसे —
ऊर, ऊरूक, लगश आदि।
प्रत्येक नगर का अपना राजा और देवता होता था।
राजा धार्मिक और राजनीतिक दोनों भूमिकाएँ निभाता था।

---

5. लेखन और कानून का आविष्कार

व्यापार और कर-संग्रह की गणना रखने के लिए कीलाक्षर लिपि (Cuneiform script) का विकास हुआ —
यह विश्व की सबसे प्राचीन लिपि मानी जाती है।
इसी लिपि में बाद में हम्मुराबी का विधान (Code of Hammurabi) लिखा गया,
जो विश्व का पहला लिखित कानून था।
इसमें अपराध और दंड के नियम तय किए गए थे, जिससे समाज में व्यवस्था बनी रही।

---

6. धर्म और सांस्कृतिक विकास

मेसोपोटामिया के लोग बहुदेववादी (Polytheist) थे।
वे सूर्य, चंद्रमा, वायु, जल आदि प्राकृतिक शक्तियों की पूजा करते थे।
उन्होंने ज़िगुरात (Ziggurat) नामक ऊँचे मंदिर बनाए, जो धार्मिक और प्रशासनिक केंद्र दोनों थे।
इस क्षेत्र में गणित, खगोल विज्ञान, लेखन और वास्तुकला का भी विकास हुआ।

---

7. जलवायु और संसाधन

यह क्षेत्र जलवायु की दृष्टि से शुष्क था, परंतु नदियों की निकटता से यहाँ कृषि संभव हुई।
नदियों की बाढ़ से मिलने वाली उपजाऊ मिट्टी और पर्याप्त जल संसाधनों ने सभ्यता के विकास को स्थायित्व दिया।

🌟 निष्कर्ष

मेसोपोटामिया सभ्यता ने मानवता को कृषि, लेखन, प्रशासन, कानून, धर्म और वास्तुकला जैसे क्षेत्रों में पहली बार संगठित रूप दिया।
इसी कारण इसे ही
👉 “सभ्यता की जन्मभूमि” (Cradle of Civilization) कहा जाता है।

इसने बाद की सभ्यताओं — जैसे मिस्र, सिंधु घाटी, चीन आदि — को प्रभावित किया और मानव समाज के विकास की दिशा निर्धारित की।